Question Paper Code : 7708

M.A. (Semester-II) Examination, 2018

ज्योतिर्विज्ञान

[चतुर्थ प्रश्न-पत्र]

(मुहूर्त ज्योतिष)

समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 70**

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। इसके अलावा, प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न किया जाना है।

1. अधोलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [3x10=30]

   (क) मुहूर्त्तगणपति

   (ख) वास्कर्म

   (ग) भद्रातिथियां

   (घ) रामदैवज्ञ

   (ङ) षष्टिसंवत्सर

   (च) वैधन्ययोग की शान्ति

   (छ) विवाह योग्य कन्या लक्षण

   (ज) 'भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशीलयुक्ता'

http://www.lucknowstudy.com

(झ) नाडी

(ञ) सप्तशलाका चक्र

प्रथम वर्ग

2. अधोलिखित का अर्थ स्पष्ट कीजिए : [10]

(क) अश्विने कृष्णपक्षे च षष्ट्यां भौमोऽथ रोहिणी।
व्यतीपातस्तथा षष्ठी कपिलाऽवन्तप्रण्यदा।।

(ख) पितृपक्षे त्रयोदश्यां हस्तेऽकैडज्जमघागते।
गजच्छायाभिधोयोगः श्राद्धेऽक्षयफलप्रदः।।

3. मुहूर्त्तगणपति के अनुसार संवत्सर-आनयन की विधि सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए। [10]

द्वितीय वर्ग

4. नक्षत्रों का वर्गीकरण करते हुए उस पर एक लेख लिखिए। [10]

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : [10]

(क) अभिजित् तथा सार्प मुहूर्त्त

(ख) अष्टाविंशति योग

तृतीय वर्ग

6. अधोलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिए : [10]

(क) षष्ठाष्टस्थः प्रश्न लग्नाद्व्यदीन्द्वर्लग्ने क्रूरः सप्तमे वा कुजः स्यात्।

मूर्त्ताविन्दुः सप्तमेतस्य भौमो रण्डा सा स्यादष्टसंवत्सरेण।।

(ख) शङखभेरी विपञ्चीरवैर्मङ्गलं
जायते वैपरीप्यं तदा लक्षयेत्।
वायसो वा खरः श्वा शृगालोऽविवा
प्रश्नलग्नक्षणे रौति नादं यदि।।

7. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : [10]

(क) कन्या-वरण मुहूर्त्त

(ख) मूल लक्षत्र में उत्पन्न कन्या का विवाहोत्तर फल

चतुर्थ वर्ग

8. निम्नलिखित की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : [10]

लग्नाच्चन्द्रान्मदनभवनगे खेटेनस्यादिह परिणयनम्।
किं वा बाणाशुगमितलवगे जामित्रं स्यादशुभकरमिदम्।।

9. अधोलिखित की विशद व्याख्या कीजिए : [10]

त्रिकोणे केन्द्रे वा मदनरहिते दोषशतकं
हरेत्सौम्यः शुक्रो द्विगुणमपि लक्षंसुरगरूः।।
भवेदाये केन्द्रऽङ्गपउतलवेशो यदितदा
समूहं दोषाणां दहन इव तूलं शमयति।।

----- x -----

http://www.lucknowstudy.com